Literacy for a Billion

Movie: Nikaah
Year: 1982

Song: Dil Ke Arman
Lyricist: Hasan Kamal

दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए
दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए
दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए
हम वफ़ा करके भी
तनहा रह गए
दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए
ज़िन्दगी इक प्यास
बनकर रह गई
ज़िन्दगी इक प्यास
बनकर रह गई
प्यार के क़िस्से
अधूरे रह गए
प्यार के क़िस्से
अधूरे रह गए
हम वफ़ा करके भी
तनहा रह गए
दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए
शायद उनका आख़िरी
हो ये सितम

शायद उनका आख़िरी
हो ये सितम
हर सितम ये सोचकर
हम सह गए
हर सितम ये सोचकर
हम सह गए
हम वफ़ा करके भी
तनहा रह गए
दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए
खुद को भी हमने
मिटा डाला मगर
खुद को भी हमने
मिटा डाला मगर
फ़ासले जो दरमियाँ
थे रह गए
फ़ासले जो दरमियाँ
थे रह गए
हम वफ़ा करके भी
तनहा रह गए
दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए
दिल के अरमाँ
आँसुओं में बह गए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.